सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 21 MARCH TO 27 MARCH 2025 • VOLUME 35 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"हर नया दिन एक नया अवसर लेकर आता है, इसे अच्छे कर्मों से संवारें।"

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

मंत्रिमंडल ने वर्ष 2025-26 के बजट अनुमानों को दी मंजूरी

आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निजी स्कूलों में मिलेगा 25% आरक्षण

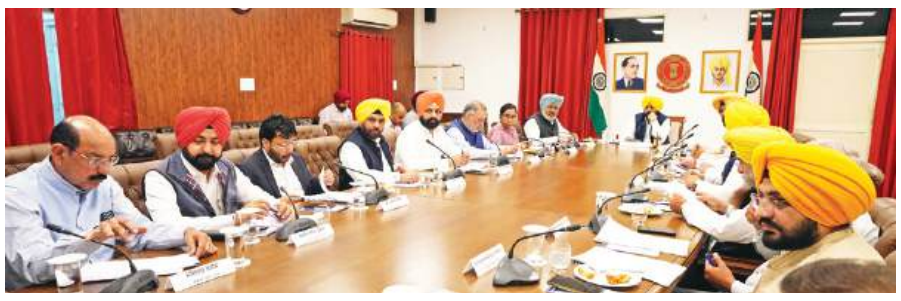

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने विधानसभा के आगामी बजट सत्र के दौरान वर्ष 2025-26 के बजट अनुमानों को पेश करने की मंजूरी दे दी है। यह निर्णय आज यहां मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया। इसकी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि 26 मार्च को वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा सदन में बजट पेश करेंगे। मंत्रिमंडल ने वर्ष 2023-24 के लिए कंपट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट को भी सदन में पेश करने की मंजूरी दे दी है।

समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए, मंत्रिमंडल ने पंजाब राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी एजुकेशन रूल्स-2011 की धारा 7 (01) को हटाने के लिए पंजाब राइट ऑफ चिल्ड्रन टू फ्री एंड कंपल्सरी एजुकेशन रूल्स-2011 में संशोधन को भी मंजूरी दे दी है। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र निजी स्कूलों में दाखिला ले सकेंगे। यह ऐतिहासिक पहल राज्य में शिक्षा क्रांति के नए युग की शुरुआत करेगी और अब निजी स्कूलों में भी गरीबों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के द्वार खुलेंगे, जबकि सरकारी स्कूलों में पहले से ही यह शिक्षा दी जा रही है।

गौरतलब है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम यह निर्धारित करता है कि सभी निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें ई.डब्ल्यू.एस. के छात्रों के लिए आरक्षित होंगी। हालांकि, पिछली सरकारों द्वारा बनाए गए नियमों में इस व्यवस्था ने छात्रों को सीधे तौर पर यह सुविधा प्राप्त करने से रोक दिया था, लेकिन पंजाब सरकार का यह ऐतिहासिक निर्णय अब कमजोर और पिछड़े वर्गों के छात्रों पर लगी सभी पाबंदियों को हटा देगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनकी पहुंच में होगी।

बीजापुर व कांकेर में 22 नक्सली ढेर अमित शाह ने बताई डेडलाइन

रायपुर. नक्सली विद्रोहियों पर एक बड़ी कार्रवाई में छत्तीसगढ़ में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कम से कम 22 सदस्य मारे गए। ये ऑपरेशन बीजापुर और कांकेर जिलों में हुए, जहाँ सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान चलाया। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से नक्सलियों के खात्मे की डेडलाइन बता दी है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि 'नक्सलमुक्त भारत अभियान' की दिशा में आज हमारे जवानों ने बड़ी सफलता हासिल की है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है।

केंद्रीय मंत्री नित्यानंद के दो भांजों ने एक-दूसरे को मारी गोली, एक की मौत

पटना. केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के भांजे की गोली लगने से गुरुवार की सुबह मौत हो गई। घटना बिहार के भागलपुर की है। नवगछिया के परबत्ता थाना अंतर्गत जगतपुर में भाई-भाई में विवाद हो गया जिसके बाद बात खून-खराबा तक पहुंच गई। रिश्ते में ये दोनों भाई केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के भांजे लगते हैं। कहा जा रहा है गुरुवार की सुबह नल से पानी भरने के विवाद को लेकर विश्वजीत और जयजीत में पहले अनबन हुई और इसी विवाद में भाई-भाई के बीच गोली चल गई। घटना में विश्वजीत की मौत हो गई जबकि गोली लगने से जयजीत घायल हो गया। इस घटना में नित्यानंद राय की चचेरी बहन भी गोली लगने से घायल हुई हैं। हिना देवी को बीच-बचाव में गोली लगी है। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस पूरे मामले को लेकर पुलिस छानबीन में जुट गई है। सीसीटीवी कैमरों से फुटेज को खंगाला जा रहा है। गोलीबारी की सूचना मिलते ही परबत्ता थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी मिलते ही आईजी विवेक कुमार ने नवगछिया की एसपी को हालात का जायजा लेने का निर्देश दिया। एफएसएल की टीम भी पूरे मामले में जुटी गई है।

13 महीने बाद शंभू बॉर्डर अब पूरी तरह खाली

कई जगह पुलिस व किसानों की बीच हुई झड़प, सभी इलाकों में इंटरनेट चालू

शंभू/खनौरी. पंजाब सरकार ने बुधवार देर शाम शंभू और खनौरी बॉर्डर से प्रदर्शनकारी किसानों को हटा दिया जिसके बाद सड़क को दोबारा खोलने की प्रक्रिया तेज हो गई। हालांकि पंजाब में आज कई जगह पुलिस और किसानों के बीच झड़प भी हुई है। शंभू बॉर्डर पर सड़क मार्ग को फिर से चालू कर दिया गया है। एकतरफा सड़क पर लगे सीमेंट ब्लॉक और भारी कंक्रीट को हटा दिया गया है जिससे मार्ग लगभग साफ हो चुका है। प्रशासन ने पंजाब से हरियाणा की तरफ आने वाली एक तरफ की रोड आम लोगों के लिए खोल दी है। इसके साथ ही सभी इलाकों में इंटरनेट भी फिर से चालू कर दिया गया है। करीब 13 महीने से यह रास्ते बंद थे।

हरियाणा से पंजाब की ओर जाने वाली सड़क पर अभी भी डिविलिंग का काम जारी है। निर्माण कार्य में कई मजदूर और मशीनें लगी हुई हैं जो सड़क को पूरी तरह से ठीक करने में जुटी हैं। इस मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बहाल करने में कुछ और समय लग सकता है। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और पुलिस की निगरानी में कार्य तेज गति से किया जा रहा है। डीआईजी पटियाला रेंज मंदीप सिंह सिद्धू ने किसान आंदोलन को लेकर कहा कि अगर किसान दोबारा आंदोलन की ओर आते हैं तो पुलिस भी तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि खनौरी बॉर्डर से किसानों को हटाने की योजना 'क्लीन स्वीप' के तहत बनाई गई थी और अब हरियाणा के लोग उन्हें फोन पर बधाई दे रहे हैं। हरियाणा के किसानों का कहना है कि प्रदर्शनकारी किसानों को हटाकर प्रशासन ने अच्छा काम किया है क्योंकि उनके कारण आम जनता को परेशानी हो रही थी। डीआईजी सिद्धू के अनुसार शंभू बॉर्डर का एकतरफा मार्ग खोल दिया गया है। आपको बता दें कि खनौरी बॉर्डर किसान आंदोलन का बड़ा केंद्र था, जहां जगजीत सिंह डल्लेवाल मौजूद थे।

धरनों के कारण पंजाब पिछड़ गया : बलतेज पन्नू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी के नेता बलतेज पन्नू ने कहा कि इस समय पंजाब नशे के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ रहा है। यह लड़ाई आपके सहयोग के बिना संभव नहीं है। नशे के खिलाफ यह युद्ध केवल कुछ लोगों को पकड़ने या नशा तस्करों पर कार्रवाई करने से खत्म नहीं होगा। इसके लिए और भी कदम उठाने की जरूरत है। आप नेता ने कहा कि पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाइयां लोगों में विश्वास जरूर पैदा कर रही हैं, पिछले एक महीने में आपने देखा कि पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ अलग-अलग क्षेत्रों में बहादुरी और समझदारी से कार्रवाई की है। लेकिन केवल नशा बेचने वालों को पकड़ने से यह समस्या खत्म नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों को नशे की लत लग गई है, उन्हें इस दलदल से बाहर निकालना होगा। यह डिमांड और सप्लाई का मामला है और नशे से हटाने के लिए सबसे जरूरी है रोजगार देना। जब युवाओं के हाथों से नशे की सुई छीनकर उनके हाथों में काम और टिफिन देंगे, तो वे जल्दी खुद लत को छोड़ देंगे।

पीएसपीसीएल के जेई को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

फरीदकोट जिले के कोटकपूरा में पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) के सब-डिवीजन कार्यालय में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) जरनैल सिंह को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आज यहां यह खुलासा करते हुए विजीलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला फरीदकोट के कोठे चहल सिंह के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है।

विजीलेंस ब्यूरो के थाना फिरोजपुर रेंज में उक्त जेई के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। जेई को कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा और इस केस की आगे की जांच जारी है।

हिमाचल प्रदेश के उद्योगों के कारण प्रदूषित हो रहे पंजाब के जल स्रोत, बैंस ने सुक्खू को लिखा पत्र

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

हिमाचल प्रदेश के उद्योगों से निकलने वाले दूषित पानी और कचरे के कारण पंजाब के जल स्रोतों के प्रदूषित होने की गंभीर समस्या को उठाते हुए पंजाब के शिक्षा मंत्री और आनंदपुर साहिब से विधायक स. हरजोत सिंह बैंस ने इस गंभीर संकट के तत्काल समाधान और सख्त कार्रवाई के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को पत्र लिखा है। बैंस ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के चेयरपर्सन और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सदस्य सचिव को भी पत्र लिखकर इस गंभीर मामले को जल्द से जल्द हल करने का आग्रह किया है, ताकि पंजाब, विशेष रूप से उनके विधानसभा क्षेत्र आनंदपुर साहिब में, जन स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सके। अपने पत्र में उन्होंने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) द्वारा किए गए परीक्षणों के नतीजों का हवाला दिया, जिनसे स्पष्ट हुआ कि हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाला जहरीला कचरा स्वां नदी और बरमला खड्ड में बहकर अंततः सतलुज नदी में मिल रहा है। उन्होंने इस समस्या की गंभीरता को उजागर करते हुए बरमला खड्ड की उस घटना का भी जिक्र किया, जहां दूषित पानी के कारण कई जंगली सूअर मर गए। उन्होंने कहा कि यह प्रदूषण न केवल सतलुज नदी को दूषित कर रहा है, बल्कि स्थानीय आबादी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन गया है। बैंस ने पत्र पीपीसीबी की रिपोर्ट और अपने क्षेत्र के निवासियों की शिकायतों का भी उल्लेख किया।

मत्तेवाड़ा जंगल डिपो की अचानक जांच

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

वन एवं वन्य जीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने लुधियाना के मत्तेवाड़ा जंगल डिपो का अचानक दौरा किया। उन्होंने वहां संग्रहीत की गई सभी लकड़ियों की पूरी जांच की। लुधियाना-राहों रोड पर खड़े हरे पेड़ों की कटाई के बाद इन कटी हुई लकड़ियों को डिपो में संग्रहीत किया गया था। इन पेड़ों की कटाई का आदेश भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ. एंड सी.सी.) से विधिवत स्वीकृति मिलने के बाद ही दिया गया था।

वन मंत्री के निर्देशानुसार, पंजाब राज्य वन विकास निगम (पी.एस.एफ.डी.सी.) ने इस संबंध में कार्यवाही को तेज किया है। फिल्लौर डिवीजन के सभी डिपो में रखी गई कटी हुई लकड़ियों के स्टॉक की व्यापक भौतिक जांच के लिए मुख्य महाप्रबंधक, वरिष्ठ आई.एफ.एस. अधिकारी की अध्यक्षता में एक तथ्यान्वेषण कमेटी का गठन किया गया है। जांच के दौरान पाई गई कुछ खामियों के कारण मंत्री ने संबंधित क्षेत्रीय प्रबंधक के तबादले का आदेश दिया है और संबंधित परियोजना अधिकारी एवं अन्य फील्ड स्टाफ को भी उनके वर्तमान पद से स्थानांतरित कर दिया गया है।

विपक्ष में हितैषी और सत्ता में किसानों को भूल जाती है कांग्रेस : सांसद कंग

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/ चंडीगढ़

आप सांसद मलविंदर सिंह कंग ने किसानों के मुद्दों, औद्योगिक विकास और पंजाब के विकास पर दोहरे रवैये के लिए कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। कंग ने कांग्रेस के इरादों और ट्रैक रिकॉर्ड पर सवाल उठाया और उसपर पंजाब में अपने पांच साल के शासन के दौरान किसानों को ऋण माफी के खोखले वादों के से गुमराह करने का आरोप लगाया।

संसद में किसानों पर कांग्रेस सांसद चुप : कंग ने कहा, "संसद में 99 सांसदों वाली कांग्रेस लोकसभा में कितनी बार किसानों के लिए खड़ी हुई है? जब वह पंजाब में सत्ता में थी, तो उसने किसानों के ऋण माफ करने का वादा किया था, लेकिन कुछ भी नहीं दिया। इसके बजाय, कांग्रेस शासन में बड़े पैमाने पर घोटाले हुए और ग्रामीण विकास निधि का दुरूपयोग हुआ।

कंग ने पंजाब में पार्टी के कार्यकाल के दौरान कांग्रेस सांसदों की चुप्पी की आलोचना करते हुए कहा, "कांग्रेस सांसदों ने इन घोटालों के खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठाई? उनका दोहरापन स्पष्ट है - सत्ता में वे किसानों को भूल जाते हैं और विपक्ष में वे उनके मुद्दे का समर्थन करने का दिखावा करते हैं।

कांग्रेस को औद्योगिक विकास पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए : भगवंत मान सरकार की पहलों के कांग्रेस के विरोध पर निशाना साधते हुए कंग ने कहा, "पंजाब की आर्थिक सुधार औद्योगिक विकास पर निर्भर करती है। सड़कों और सीमाओं को अवरुद्ध करने वाले विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित करके कांग्रेस राज्य के उद्योग और व्यापार को नुकसान पहुंचा रही है। क्या कांग्रेस पंजाब के उद्योग के खिलाफ है? क्या यह व्यापारियों और व्यवसायियों की आजीविका के खिलाफ है? कांग्रेस को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।"

बॉर्डर बंद होने से नुकसान पंजाब को : मीत हेयर

'आप' सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि हमने हमेशा किसानों का समर्थन किया है और आगे भी करेंगे। लेकिन आज बॉर्डर बंद होने के कारण ऐसा माहौल बना हुआ है कि जो इंडस्ट्री यहां थी, वह भी पंजाब से जा रही है। इसलिए किसानों से निवेदन किया था कि आप एक तरफ का बॉर्डर खोल दें क्योंकि इससे दिल्ली में बैठी भाजपा सरकार को कोई नुकसान नहीं होने वाला है। जबकि इससे सीधा नुकसान पंजाब को हो रहा है और पंजाब सरकार का भी सैकड़ों करोड़ राजस्व का नुकसान हो रहा है और इंडस्ट्री भी पंजाब से जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले बेरोजगारी के कारण नौजवान नशों में फंस गए थे। पिछले 20-22 सालों में पंजाब में बेरोजगारी बहुत बढ़ गई थी। सरकारी नौकरियां भी कम निकाली गई। इसके चलते उनकी ऊर्जा सही दिशा में नहीं लग पाई और वे नशों की ओर चले गए। मीत हेयर ने कहा कि आज पंजाब सरकार लगातार नशे के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

पंजाब सरकार किसानों के साथ खड़ी है : कुलतार संधवां

पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने किसानों के हितों के प्रति पंजाब सरकार की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा कि आप सरकार हमेशा किसानों मांगों के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी। हालिया चिंताओं को संबोधित करते हुए, संधवां ने स्पष्ट किया कि किसानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। संधवां ने कहा कि पंजाब सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसी नीतियों के लिए किसानों की उचित मांगों का लगातार समर्थन किया है। उन्होंने किसानों से अपना विरोध केंद्र सरकार की ओर केन्द्रित करने का आग्रह किया और कहा कि केंद्र की नीतियां पंजाब के कृषि क्षेत्र के लिए बहुत हानिकारक है। संधवां ने शंभू और खनौरी सीमाओं पर लंबे समय तक सड़क बंद रहने के प्रतिकूल प्रभाव पर प्रकाश डाला, जिससे पंजाब में व्यापार मार्गों और औद्योगिक विकास में काफी बाधा आई है। राज्य की आर्थिक जीवनरेखा को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन महत्वपूर्ण है, लेकिन पंजाब के व्यापार मार्गों को बाधित करने से राज्य की अर्थव्यवस्था और आजीविका को अप्रत्याशित नुकसान हुआ है।

मैं किसानों के साथ धरना देने को तैयार : भुल्लर

कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने किसानों के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया और कहा कि ये सभी मांगें केंद्र से जुड़ी हुई हैं, इसलिए हमें मिलकर केंद्र सरकार तक अपनी आवाज पहुंचानी चाहिए। किसानों की लड़ाई केंद्र से है, लेकिन सड़कें पंजाब की बंद है। इससे पंजाब का विकास रुक रहा है। भुल्लर ने कहा कि मैं खुद एक किसान हूं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम आपके हर फैसले के साथ है। मेरी सभी किसान जत्थेबंदियों से हाथ जोड़कर विनती है कि हम सब एक मंच पर इकट्ठे हों। यह लड़ाई सिर्फ आपकी नहीं है। यह पंजाब और पंजाबी अस्मिता की लड़ाई है। उन्होंने ऐलान किया कि मैं अपने सारे पद छोड़कर किसानों के साथ धरना देने को तैयार हूं। किसान जत्थेबंदियां दिल्ली में जगह बताएं, मैं उनके साथ केंद्र सरकार के खिलाफ धरने पर बैठूंगा।

केंद्र की नीतियों के खिलाफ एकजुट हों : हरभजन सिंह ईटीओ

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने किसानों को अपना पूरा समर्थन दिया है और उनसे केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया है। एक सार्वजनिक बयान में ईटीओ ने किसानों के मुद्दों का राजनीतिकरण करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और अपने कार्यकाल के दौरान इस पर कार्रवाई न करने पर सवाल उठाया। ईटीओ ने कहा, 'कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सांसद हैं, फिर भी वे किसानों के लिए प्रभावी ढंग से आवाज उठाने में विफल रहे। पंजाब में अपने शासन के दौरान, वे कितनी बार किसानों के साथ खड़े हुए? जब आरडीएफ फंड रोक दिया गया, जिससे मंडी बोर्ड की सड़कों का निर्माण प्रभावित हुआ, तो उन्होंने क्या प्रयास किए? निरर्थक प्रयासों में लिप्त होने के बजाय उन्हें किसानों के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए।' उन्होंने किसानों का समर्थन करने के लिए आप की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराया, इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान मुद्दे मुख्य रूप से केंद्र सरकार के साथ हैं।

धूल से परेशान : घंटों का काम मिनटों में कर देंगे ये होम डस्टिंग टिप्स

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

CLEANING TIPS महिलाएं अपने घर का कोना-कोना साफ रखने के लिए दिन के कई घंटे सिर्फ डस्टिंग को ही देती हैं। अगर आपका हाल भी कुछ ऐसा ही है, तो परेशान होने की जगह घर की डस्टिंग करने के लिए अपनाएं ये आसान क्लीनिंग टिप्स।

अगर आपका घर सड़क किनारे या फिर काफी बड़ा और हवादार है तो धूल-मिट्टी का घर पर रखी कुर्सी-टेबल पर बैठना आपके लिए आम समस्या हो सकती है। महिलाओं को अकसर सबसे ज्यादा समय घर की डस्टिंग करने में लगता है। टेबल पर जमी धूल सिर्फ देखने में ही खराब नहीं लगती, बल्कि यह अस्थमा और सांस की जुड़ी समस्या से परेशान लोगों के लिए परेशानी का कारण भी बन सकती है। यह वजह है कि महिलाएं अपने घर का कोना-कोना साफ रखने के लिए दिन के कई घंटे सिर्फ डस्टिंग को ही देती हैं। बावजूद इसके उन्हें मनचाही सफाई नहीं मिल पाती है। अगर आपका हाल भी कुछ ऐसा ही है, तो परेशान होने की जगह घर की डस्टिंग करने के लिए अपनाएं ये आसान क्लीनिंग टिप्स। घर की धूल-मिट्टी साफ करने के लिए अपनाएं आसान क्लीनिंग टिप्स...

शू रैक में रखें चप्पल-जूते

रिसर्च के मुताबिक घर में आने वाली धूल का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा बाहर की चप्पल या जूतों के साथ घर में आता है। ऐसे में बाहर से घर लौटने पर जूतों को घर की बालकनी में रखें शू रैक में रखने की आदत डालें। इसके अलावा, दरवाजे के बाहर मोटे डोरमैट्स रखें, जिससे जूतों पर लगी गंदगी और धूल को रोकने में मदद मिलेगी। इस टिप को फॉलो करके आप घर में धूल को आने से काफी ह तक कम कर सकती हैं।

डस्टिंग का तरीका हो सही

कई बार महिलाओं को डस्टिंग का सही तरीका पता ना होने की वजह से भी डस्टिंग करना मुश्किल लगता है। इस बात का ध्यान रखें कि कभी भी पूरे घर की डस्टिंग एक साथ शुरु ना करें। हमेशा एक कमरे से डस्टिंग करना शुरू करें। ऐसा करते हुए डस्टिंग की डायरेक्शन का भी ध्यान रखें। उदाहरण के लिए, सबसे पहले कमरे की ऊंचाई पर रखी चीजों को साफ करें। सीलिंग से लेकर फैन की क्लीनिंग सबसे पहले करें। उसके बाद कमरे में बाकी चीजों को झाड़कर साफ करें।

धूल को झाड़ें नहीं इस तरह करें साफ

धूल झड़ने पर उड़कर इधर-उधर फैल जाती है। धूल को झाड़कर साफ करने की जगह माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करें। इसमें थोड़ा सा सफेद सिरका लगाकर धूल को साफ करें। यह धूल के कणों को अच्छे से पकड़कर घर साफ करने में मदद करता है।

वैक्यूम क्लीनर

वैक्यूम क्लीनर धूल को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। यह धूल और गंदगी को कपड़े की तुलना में बेहतर तरीके से साफ करता है। आप इसकी मदद से घर के पर्दे, गद्दे, टेबल और कोनों पर जमी धूल को चुटकियों में साफ कर सकते हैं।

BEAUTY CARE

ये 3 पौधे बालों की ग्रोथ के लिए हैं बेहतरीन, जानिए कैसे कर सकते हैं यूज

बालों पर ध्यान न दिया जाए तो ग्रोथ एक समय पर आकर रुक जाती है। ऐसे में कुछ पौधे है जो बाल लंबे करने में आपकी मदद कर सकते हैं। देखिए उन पौधों का नाम और कैसे करें यूज।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

बाल नैचुरल तौर पर लंबे होते हैं, लेकिन अगर हेयर पर ध्यान न दिया जाए तो बालों की ग्रोथ रुक सकती है। ऐसे में कुछ चीजें बालों को लंबा करने में बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। जब बालों पर पोषक तत्वों से भरपूर चीजों का इस्तेमाल करते हैं तो हेयर फॉलिकल्स के फायदा मिल सकता है। यहां पर 3 ऐसे पौधों के बारे में बता रहे हैं जो बालों को लंबा करने में खूब फायदेमंद साबित हो सकते हैं। देखिए उन पौधों का नाम और कैसे करें इनका इस्तेमाल।

1) एलोवेरा

एलोवेरा का पौधा घर में आसानी से लगाया जा सकता है। ये बाल और स्किन दोनों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने के साथ ही बालों को मजबूत बनाने, स्कैल्प का पीएच बैलेंस करने, स्कैल्प को मॉइश्चर देने और बालों को चमकदार बनाने में भी कारगर होता है। इसे बालों पर लगाने के लिए एक पत्ता लें और बीच से काट लें और चम्मच से जेल निकालें। इसे नारियल या जैतून के तेल में मिलाएं और मिश्रण को सीधे अपने स्कैल्प पर लगाएं। इसे एक घंटे तक लगा रहने दें। फिर माइल्ड शैम्पू से धो लें।

2) गुड़हल

गुड़हल का फूल बालों को कई फायदे देता है। इसमें फ्लेवोनॉइड्स और अमीनो एसिड्स होते हैं जो हेयर ग्रोथ को बढ़ाने का काम करते हैं। जिन लोगों के बाल पतले हैं, वह इसका इस्तेमाल जरूर करें। इस फूल का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जा सकता है। गुड़हल के फूल के साथ आप आंवला मिलाकर लगा सकते हैं। इसके लिए गुड़हल के फूल पत्तों को बराबर मात्रा में लें और फिर इसमें आधा आंवला मिला लें। तीनों चीजों को एक साथ पीसकर पेस्ट बनाएं और इस हेयर मास्क को बालों पर लगाएं। आधे घंटे तक लगा रहने दें और फिर बालों को धो लें।

3) रोजमेरी

रोजमेरी बालों के लिए काफी फायदेमंद है। इसका तेल बालों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजमेरी ऑयल में ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बालों की ग्रोथ को तेज करने में मदद करते हैं और स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाकर बालों की जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए नारियल तेल को धीमी आंच पर हल्का गर्म करें और फिर इसमें रोजमेरी की पत्तियां डालें और 5-10 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। तेल को ठंडा करें और छान लें। फिर इसका इस्तेमाल बालों पर करें। आप रोजमेरी की पत्तियों से हेयर ग्रोथ सीरम भी बना सकते हैं।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

घर का बना ढोकला हो जाता है टाइट? सॉफ्ट-स्पंजी बनाने में काम आएंगी ये टिप्स

घर का बना ढोकला कई बार काफी ज्यादा टाइट बन जाता है, या फिर कच्चा रह जाता है। ऐसे में यहां कुछ टिप्स हैं जो बाजार जैसा सॉफ्ट-स्पंजी ढोकला बनाने में आपके आ सकते हैं।

Yummy

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

गुजरात की फेमस डिश ढोकला को पूरे भारत में बड़े चाव के साथ खाया जाता है। कम तेल में बनने वाली इस डिश को हर कोई अलग-अलग तरह से बनाना पसंद करता है। गुजरात में इसे खमीर उठे चावल और दाल के घोल से बनाया जाता है। हालांकि, इसे आप बेसन के साथ भी बना सकते हैं। गुजरात में बेसन से बनने वाले ढोकला को खमन कहा जाता है। ज्यादातर लोग इसे घर पर बनाना पसंद करते हैं। लेकिन उनकी शिकायत रहती है कि घर का बना ढोकला टाइट और कच्चा रह जाता है। ऐसे में बाजार जैसा सॉफ्ट-स्पंजी ढोकला बनाने के लिए यहां बताई टिप्स को अपनाएं।

सही मात्रा में लेना है बहुत जरूरी

ढोकला बेसन से बनाया जाता है। इसे सॉफ्ट और मुलायम बनाने के लिए इसमें सूजी मिलाई जा सकती है। बेसन के साथ थोड़ी मात्रा में सूजी मिलाने से ढोकला स्पंजी बनता है।

सॉफ्ट बनाने के लिए फर्मेंटेशन है जरूरी

बहुत सी महिलाएं शिकायत करती हैं कि घर का बना ढोकला काफी टाइट हो जाता है। घर पर बाजार जैसा सॉफ्ट-स्पंजी बनाने के लिए फर्मेंटेशन जरूरी है। इसके लिए बैटर को घोलने के बाद कम से कम 30 से 40 मिनट के लिए रखें। या फिर सोड़ा का इस्तेमाल करें।

फेंटने से मिलेगा बेहतर टेक्सचर

बैटर को अच्छे से फेंटना बहुत जरूरी है। कोशिश करें कि आप बैटर को कई बार फेंटें। ऐसा करने से ढोकला को एक चिकना और मुलायम बनावट मिलती है। इसके अलावा ऐसा करने से बैटर में कोई गांठ भी नहीं रहती।

इस टिप से नहीं रहेगा कच्चा

ढोकला अगर गीला हो जाता है तो वह कच्चा रह जाता है। इसलिए गीला होने से बचाने के लिए स्टीमर के ढक्कन को तौलिए से ढक दें या फिर ढोकला को एल्युमिनियम फॉइल से ढक दें। ये दो तरकीबें ढक्कन पर जमा हुए पदार्थ को ढोकला पर गिरने से रोकती हैं और उसे गीला होने से बचाती हैं।

मां-बाप की यह गलतियां तोड़ देती हैं बच्चों का भरोसा

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

PARENTING

एक बच्चे के लिए उसके माता-पिता से ज्यादा भरोसेमंद कोई नहीं होता। बच्चा अपने माता-पिता द्वारा कही गई हर बात पर आंख बंद करके भरोसा करता है। लेकिन कई बार माता-पिता द्वारा की गई कुछ गलतियां बच्चे के इसी भरोसे को तोड़ देती हैं। जाहिर है कोई भी पेरेंट्स जानबूझकर अपने बच्चे का भरोसा खोना नहीं चाहेंगे लेकिन कई बार जाने-अनजाने में ही वो कुछ ऐसा कर बैठते हैं, जिससे उनके बच्चे का उन पर से विश्वास खत्म सा होने लगता है। बच्चे और पैरेंट्स दोनों के लिए ये स्थिति बहुत ही भयानक हो सकती है क्योंकि एक बार बच्चे का विश्वास पैरेंट्स से ही उठ जाए, तो वो आसानी से किसी भी बाहर वाले की बातों में आ सकता है।

हमेशा किए गए वादे ना निभाना : कई पेरेंट्स की आदत होती है कि वो बच्चों की किसी जिद को टालने के लिए उनसे कोई झूठ-मूठ का वादा कर देते हैं और फिर उसे नहीं निभाते। जाहिर है यह बहुत नॉर्मल लगता है और पैरेंट्स का मानना भी यही होता है कि ऐसा कर के बच्चा जिद बंद कर देगा और बाद में तो भूल ही जाएगा। कभी-कभार ऐसा करने में कोई दिक्कत नहीं लेकिन बार-बार अगर आप ऐसा करते हैं तो ये आदत बच्चे के मन में धीरे-धीरे अविश्वास पैदा करने लगती है, और आगे चलकर वो आपकी किसी बात पर जल्दी यकीन नहीं कर पाते।

बच्चों के इमोशंस को नजरअंदाज करना : बच्चों के लिए छोटी-छोटी बातें भी बहुत मैटर करती है। कई बार पैरेंट्स को बच्चों की परेशानी बहुत बचकानी और मामूली लगती है और वो उसे हंसी-मजाक में ले जाते हैं। हो सकता है कि वो परेशानी कोई परेशानी भी ना हो या बहुत ही मामूली हो लेकिन बच्चों की किसी भी प्रॉब्लम को नजरअंदाज करने के बजाय, उसे ध्यान से सुनें। ये ध्यान रखें कि बच्चों के इमोशन समझना भी काफी इंपॉर्टेंट है। अगर आप ही उनके इमोशन को नजरअंदाज करेंगे तो धीरे-धीरे बच्चा आपसे दूरी बनाने लगेगा।

जब बच्चा गलती करे स्वीकार तो ना बनें सख्त : बच्चों को ईमानदार बनाना और सही-गलत का फर्क सिखाना पेरेंट्स की ही जिम्मेदारी होती है। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल भी नहीं कि बच्चे की हर गलती पर आप सख्त रवैया दिखाए। खासतौर पर बच्चा जब अपनी किसी गलती को आपके सामने स्वीकार करें, तब उसे कोई सजा देने के बजाय, उसके इस कदम की सराहना करें। अगर आप हमेशा ही बच्चे के प्रति सख्त रहेंगे तो हो सकता है वो बाद में वो सजा के डर से अपनी गलतियों को छिपाना शुरू कर दें।

उनके सीक्रेट को रखें सीक्रेट : अगर आपका बच्चा आपसे अपना कोई भी सीक्रेट शेयर करता है, तो उसे सीक्रेट रखने की ही कोशिश करें। कई बार पैरेंट्स बच्चों के सीक्रेट्स को मजाक में ले जाते हैं और सभी के सामने उगल देते हैं।

चम्मच नहीं हाथ से खाएं खाना, सिर्फ परंपरा नहीं सेहत से भी जुड़ा है कनेक्शन

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

HEALTH लाइफस्टाइल में बदलाव की वजह से आजकल लोग हाथ से खाना खाने की जगह चम्मच से भोजन करना ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन आयुर्वेद की मानें तो व्यक्ति को जब कभी हाथ से खाने का मौका मिले, उसे इस...

भारत में जमीन पर बैठकर हाथ से भोजन करने की परंपरा सदियों पुरानी रही है। लेकिन इस परंपरा का संबंध सिर्फ भारतीय संस्कृति से ही नहीं बल्कि व्यक्ति की सेहत से भी जुड़ा हुआ है। हालांकि लाइफस्टाइल में बदलाव की वजह से आजकल लोग हाथ से खाना खाने की जगह चम्मच से भोजन करना ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन आयुर्वेद की मानें तो व्यक्ति को जब कभी हाथ से खाने का मौका मिले, उसे इस मौके को छोड़ना नहीं चाहिए। आइए जानते हैं हाथ से भोजन करने से सेहत को मिलते हैं क्या फायदे।

बेहतर डाइजेशन

हाथ से भोजन करने से पाचन गतिविधियां सही बनी रहती हैं। आयुर्वेद के अनुसार, जब आप अपने मुंह में भोजन डालते हैं तो आप अपनी अंगुलियों को योग मुद्रा के रूप में घुमाते हैं जिससे खाना तेजी से पचता है। इसके अलावा हाथ से खाना खाते समय हमें कितना खाना है, क्या खाना है, किस स्पीड से खाना है, इन बातों की भी जानकारी होती है, जिससे डाइजेशन का काम आसान हो जाता है।

पाचन संबंधी समस्याएं

हाथ से खाना खाने से पाचन संबंधी समस्याएं ज्यादा परेशान नहीं करती हैं। बता दें, हाथों में कई ऐसे बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो उंगलियों से होते हुए पेट में जाते हैं। यह बैक्टीरिया शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले रोगाणु से रक्षा करके सेहत को फायदा पहुंचाते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन

हाथ से खाना खाने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन सही बना रहता है। दरअसल, हाथ से भोजन करते समय पांचों उंगलियां एक साथ आपस में जुड़ी रहती हैं। जिससे हाथों की मांसपेशियों की एक्सरसाइज हो जाती है। व्यक्ति की पांचों उंगलियों में निर्धारित प्वाइंट्स शरीर के अलग अलग हिस्सों पर प्रभाव डालकर ब्लड सर्कुलेशन को अच्छा बनाए रखने में मदद करते हैं। जिससे नर्वस सिस्टम भी एक्टिव बना रहता है।

उंगलियां बताती हैं तापमान

खाना खाते समय उंगलियों के प्वाइंट्स भोजन के तापमान को महसूस करते हैं। जिसकी वजह से व्यक्ति का दिमाग भोजन के लिए शरीर को तैयार करता है। आयुर्वेद बताता है कि हाथ से खाना खाने से शरीर उन जरूरी एंजाइम्स को प्रड्यूस करता है, जो खाना जल्दी पचाने में मदद करते हैं।

शरीर में बना रहता है पंच तत्वों का बैलेंस

आयुर्वेद के अनुसार हाथ की पांच उंगलियां आकाश (अंगूठा), हवा (तर्जनी उंगली), अग्नि (मध्यमा ऊंगली), पानी (अनामिका फिंगर) और पृथ्वी (कनिष्ठा उंगली) को दर्शाती हैं। हाथ से खाने से शरीर के इन पंच तत्वों का बैलेंस सही बना रहता है और शरीर को एनर्जी भी मिलती है।

सलाह

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो खाना खाने से पहले हमेशा अपने हाथ जरूर धोने चाहिए। गंदे हाथों से भोजन करने पर हाथों पर लगे बैक्टीरिया और कीटाणु हाथों पर चिपककर खाने के साथ पेट, गले, मुंह, आंत में पहुंच कर समस्या पैदा कर सकते हैं।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

पीएम मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में दर्शन किए

गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब की कुछ झलकियाँ

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने नई दिल्ली में गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में दर्शन किए। इस यात्रा के बारे में कुछ झलकियाँ साझा करते हुए, मोदी ने कहा कि सेवा और मानवता के प्रति सिख समुदाय की अटूट प्रतिबद्धता वास्तव में दुनिया भर में सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया; "प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और मैं गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब गए, जो गहन आस्था और इतिहास का स्थान है। सेवा और मानवता के प्रति सिख समुदाय की अटूट प्रतिबद्धता वास्तव में दुनिया भर में सराहनीय है।

भारत-न्यूजीलैंड संयुक्त वक्तव्य

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमंत्रण पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन 16 से 20 मार्च 2025 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर लक्सन की भारत की यह पहली यात्रा है। वे नई दिल्ली और मुंबई का दौरा कर रहे हैं। उनके साथ पर्यटन और आतिथ्य मंत्री लुईस अपस्टन, जातीय समुदाय और खेल और मनोरंजन मंत्री, मार्क मिशेल और व्यापार और निवेश, कृषि और वानिकी मंत्री टॉड मैक्ले तथा अधिकारियों, व्यावसाइयों, प्रवासी समुदाय, मीडिया और सांस्कृतिक समूहों के प्रतिनिधियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।

प्रधानमंत्री लक्सन का नई दिल्ली में भव्य और पारंपरिक स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी 17 मार्च 2025 को नई दिल्ली में 10वें रायसीना डायलॉग का उद्घाटन करेंगे, जिसमें लक्सन मुख्य अतिथि के तौर पर उद्घाटन भाषण देंगे। प्रधानमंत्री लक्सन ने राजघाट पर महात्मा गांधी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ बनाने की साझा इच्छा दोहराई जो दोनों देशों के लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के आपसी संबंधों पर आधारित है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों में और प्रगति की संभावना जताई। उन्होंने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, शिक्षा और अनुसंधान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि-तकनीक, अंतरिक्ष, लोगों के आवागमन और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में निकट सहयोग पर सहमति व्यक्त की।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने परस्पर हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर बातचीत की और बहुपक्षीय सहयोग सुदृढ़ करने पर अपनी सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने अनिश्चित और असुरक्षित दुनिया में समुद्री राष्ट्रों के रूप में भारत और न्यूजीलैंड के खुले, समावेशी, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मजबूत और साझा हित को स्वीकार किया जहां नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था कायम है।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय अधिनियम, विशेषकर 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री अधिनियम सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के अनुरूप नौवहन और उड्डयन की स्वतंत्रता तथा समुद्र के अन्य वैध उपयोग के अधिकार की पुष्टि की। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय अधिनियमों विशेषकर यूएनसीएलओएस के अनुसार विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता की पुष्टि की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने दोनों देशों के लोगों के मैत्रीपूर्ण संबंधों पर संतोष व्यक्त किया जिसमें न्यूजीलैंड की आबादी के करीब छह प्रतिशत भारतीय मूल के निवासी हैं। दोनों नेताओं ने न्यूजीलैंड में भारतीय प्रवासियों के अहम योगदान और दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ बनाने में उनकी सकारात्मक भूमिका की सराहना की। दोनों नेताओं ने न्यूजीलैंड में विद्यार्थियों समेत भारतीय समुदाय और भारत में न्यूजीलैंड के लोगों और न्यूजीलैंड से भारत आने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति जताई।

व्यापार, निवेश और वित्तीय मामलों में सहयोग : दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच निरंतर व्यापार और निवेश का स्वागत किया और द्विपक्षीय व्यापार के विस्तार की संभावनाओं का पता लगाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने दोनों देशों के व्यावसायियों को आपसी संबंध विकसित करने तथा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के पूरक क्षेत्रों में सहयोग के लिए उभरते आर्थिक और निवेश अवसरों का पता लगाने को प्रोत्साहित किया।

दोनों नेताओं ने मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग में अधिक दोतरफा निवेश का आह्वान किया।

दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को व्यापक बनाने पर सहमति व्यक्त की ताकि इसकी अप्रयुक्त क्षमता का पता लगाकर समावेशी और सतत आर्थिक विकास में योगदान दिया जा सके।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने गहन आर्थिक समेकन के लिए संतुलित, महत्वाकांक्षी, व्यापक और पारस्परिक लाभकारी व्यापार समझौते के लिए मुक्त व्यापार समझौते-एफटीए वार्ता के आरंभ होने का स्वागत किया। यह समग्र व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने का महत्वपूर्ण उपाय है। दोनों देशों की परस्पर शक्ति का लाभ उठाकर और संबंधित चिंताओं के समाधान और चुनौतियों से निपटकर यह द्विपक्षीय व्यापार समझौता परस्पर लाभकारी व्यापार और निवेश में वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है। इससे दोनों देशों को समान लाभ और पूरकता सुनिश्चित होगी। भारत और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्रियों ने वार्ता यथाशीघ्र पूरी करने के लिए वरिष्ठ प्रतिनिधि नियुक्त करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुक्त व्यापार समझौता वार्ता के संदर्भ में दोनों प्रधानमंत्रियों ने डिजिटल भुगतान क्षेत्र में सहयोग के शीघ्र कार्यान्वयन की संभावना के लिए दोनों देशों के संबंधित अधिकारियों के बीच बातचीत पर सहमति व्यक्त की।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने 2024 में हस्ताक्षरित सीमा शुल्क सहयोग व्यवस्था (सीसीए) के अंतर्गत अधिकृत पारस्परिक आर्थिक संचालक मान्यता व्यवस्था (एईओ-एमआरए) पर समझौते का स्वागत किया। यह सीमा शुल्क अधिकारियों के माध्यम से दोनों देशों के बीच माल की सुगम आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। दोनों नेताओं ने बागवानी और वानिकी क्षेत्र में नए सहयोग का भी स्वागत किया। बागवानी क्षेत्र में सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर से ज्ञान और अनुसंधान के आदान-प्रदान तथा बागवानी उत्पाद और विपणन बुनियादी ढांचे के विकास में बढ़ावा मिलेगा। वानिकी सहयोग पर आशय पत्र पर हस्ताक्षर से नीतिगत संवाद और तकनीकी आदान-प्रदान को प्रोत्साहन मिलेगा।

दोनों नेताओं ने आर्थिक विकास, व्यापारिक जुड़ाव और दोनों देशों के लोगों के बीच बेहतर समझ उत्पन्न करने में पर्यटन क्षेत्र की सकारात्मक भूमिका स्वीकार की। उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते पर्यटन का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच हवाई सेवा समझौता अद्यतन किए जाने की सराहना की। उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीधी उड़ान संचालन शुरू करने के लिए अपने देशों के उड्डयन संचालकों को प्रोत्साहित करने पर सहमति व्यक्त की।

राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा सहयोग:

भारत और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्रियों ने संसदीय समपर्क के महत्व को रेखांकित करते हुए संसदीय प्रतिनिधिमंडलों की परस्पर नियमित यात्रा पर सहमति व्यक्त की।

उन्होंने दोनों देशों के सैन्य कर्मियों के बलिदान के साझा इतिहास को स्वीकार किया और जिन्होंने पिछली शताब्दी में दुनिया भर में एक-दूसरे के साथ मिलकर युद्ध में भाग लिया।

भारत और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त सैन्य अभ्यास, सैन्य स्टाफ कॉलेज आदान-प्रदान, नौसेना के जहाजों द्वारा एक-दूसरे के बंदरगाहों पर नियमित ठहराव और उच्च-स्तरीय रक्षा प्रतिनिधिमंडलों के आदान-प्रदान सहित रक्षा सम्पर्क में निरंतर प्रगति का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने भारतीय नौसेना के सागर परिक्रमा अभियान के तहत नौवहन पोत तारिणी के दिसंबर 2024 में न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च के लिटलटन बंदरगाह पहुंचने का भी स्मरण किया। उन्होंने रॉयल न्यूजीलैंड नौसेना के जहाज एचएमएनजेडएस ते काहा के आने वाले समय में मुंबई बंदरगाह पर पहुंचने का भी उल्लेख किया। दोनों नेताओं ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच रक्षा सहयोग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग सुदृढ़ होगा और नियमित जुड़ाव स्थापित होगा। दोनों देशों ने समुद्री संचार मार्ग सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया और समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए नियमित बातचीत की आवश्यकता बताई।

न्यूजीलैंड ने संयुक्त समुद्री बलों में भारत के शामिल होने का स्वागत किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने न्यूजीलैंड के कमांड टास्क फोर्स 150 के दौरान रक्षा संबंधों में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

दोनों नेताओं ने पारस्परिक आधार पर रक्षा कॉलेजों सहित अधिकारियों के नियमित प्रशिक्षण आदान-प्रदान का भी स्वागत किया। उन्होंने क्षमता निर्माण उन्नयन सहयोग पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री लक्सन ने हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) में शामिल होने में न्यूजीलैंड की रुचि व्यक्त की। मोदी ने समान विचार वाले देशों के साथ इस संगठन में न्यूजीलैंड का स्वागत किया। यह संगठन समुद्री क्षेत्र के प्रबंधन, संरक्षण और उसे सतत बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच समुद्री सहयोग की आगे और संभावना तलाशी जा रही है। गुजरात के लोथल में स्थापित किए जा रहे राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) पर विशेषज्ञों के बीच चर्चा चल रही है।

अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता और प्रभावशाली प्रयास प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलताएं

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली). पोलैंड के उप-विदेश मंत्री व्लादिस्लाव टेओफिल बार्टोस्ज़ेव्स्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को वर्तमान में जारी रूस-यूक्रेन संघर्ष में सामरिक परमाणु हथियारों का उपयोग न करने के लिए राजी करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वपूर्ण कूटनीतिक हस्तक्षेप को स्वीकार किया। यह वैश्विक शांति प्रयासों में एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में भारत की भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने कहा, «प्रधानमंत्री मोदी की वारसॉ यात्रा बहुत शानदार रही। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को सामरिक परमाणु हथियारों का उपयोग न करने के लिए राजी किया। हम स्थायी शांति चाहते हैं। हम यूक्रेन में स्थिर और दीर्घकालिक शांति चाहते हैं» राष्ट्रपति पुतिन ने स्वयं भारत के कूटनीतिक प्रयासों को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सहित प्रमुख वैश्विक नेता इस शत्रुता को समाप्त करने में अपना समय और प्रयास दोनों दे रहे हैं साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के समाधान में भारत का प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, «हम सभी के पास अपने घरेलू मामले निपटाने के लिए बहुत कुछ है लेकिन कई देशों के नेता, जिनमें भारत के प्रधानमंत्री भी शामिल हैं, इस मुद्दे पर ध्यान देने के साथ-साथ इस मामले पर अपना काफी समय भी दे रहे हैं। हम उन सभी के आभारी हैं»

वैश्विक तनाव के बीच भारत-रूस संबंधों को मजबूत करना : रूस के साथ भारत के संबंध लगातार परिपुष्ट हो रहे हैं, राष्ट्रपति पुतिन ने इसे «खासतौर पर विशेषाधिकार प्राप्त» बताया है। वर्तमान में जारी युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन यात्रा ने भारत के तटस्थ रुख और शांति के मामले में प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने भारत को संघर्ष को हल करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक शिखर सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव भी दिया, जो भारत के बढ़ते वैश्विक कूटनीतिक कद को दर्शाता है।

26/11 के आतंकी आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण : प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका 2008 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का भारत में प्रत्यार्पण किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा, «हम एक बहुत ही खतरनाक व्यक्ति को भारत को सौंप रहे हैं, जो 26/11 के मुंबई आतंकी हमले का आरोपी है»

अनुच्छेद 370: भारत के निर्णय को वैश्विक समर्थन : भारत द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के पाकिस्तान के प्रयासों के बावजूद, सऊदी अरब ने भारत के इस कदम का समर्थन किया, जिससे दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों का पता चलता है। इस निर्णय के शीघ्र बाद, भारत और सऊदी अरब ने 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए। यूएई ने भी भारत का समर्थन करते हुए, इसे आंतरिक मामला बताया और क्षेत्रीय स्थिरता की आशा व्यक्त की। रूस, इजरायल, बहरीन और ईरान ने भारत के निर्णय का समर्थन किया, जिससे भारत की कूटनीतिक क्षमता में वृद्धि हुई।

भारत के आतंकवाद-विरोधी हमलों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन : भारत के आतंकवाद के खिलाफ किये गये सर्जिकल हमलों को व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला: **जापान :** जापान ने सभी रूपों में आतंकवाद की निंदा करते हुए इस बात की पुष्टि की कि आतंकवाद का कोई भी कृत्य उचित नहीं है। जापान ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की।

WAVEX 2025: मीडिया-टेक स्टार्टअप को निवेशकों से जोड़ने के लिए वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली). केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) ने WAVEX 2025 की शुरुआत की है, जो एक अग्रणी पहल है जिसका उद्देश्य फंडिंग और राष्ट्रीय एक्सपोजर प्रदान करके मीडिया और मनोरंजन से संबंधित स्टार्टअप का समर्थन करना है। इंटरनेट और मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (IAMAI) के सहयोग से आयोजित, WAVEX 2025 का आयोजन वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) 2025 के एक भाग के रूप में मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। यह पहल उद्यमियों, उद्यम पूंजीपतियों, एंजल निवेशकों और उद्योग के नेताओं को विकास और निवेश के नए अवसर पैदा करने के लिए एक साथ लाएगी।

WAVEX, विश्व ऑडियो-विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (WAVES) का एक प्रमुख खंड है, जो उभरते मीडिया और मनोरंजन प्रौद्योगिकियों पर भारत का प्रमुख शिखर सम्मेलन है। WAVES सूचना और प्रसारण मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है जो गेमिंग, एनीमेशन, विस्तारित वास्तविकता (XR), मेटावर्स, AI-संचालित सामग्री और डिजिटल मीडिया जैसे क्षेत्रों में नवाचार, नीति संवाद और उद्योग सहयोग को बढ़ावा देती है। WAVEX को WAVES के भीतर एक स्टार्टअप निवेश-केंद्रित वर्टिकल के रूप में एकीकृत करके, शिखर सम्मेलन का उद्देश्य मीडिया-टेक उद्यमिता के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। मेंटरशिप और निवेश चाहने वाले स्टार्टअप के लिए तैयार, WAVEX 2025 गेमिंग, एनीमेशन, विस्तारित वास्तविकता (XR), मेटावर्स, जेनरेटिव AI और अगली पीढ़ी के कंटेंट प्लेटफॉर्म जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वेवएक्स के नोडल अधिकारी के अनुसार, यह पहल सिर्फ़ निवेश का अवसर नहीं है - यह भारत को मीडिया-टेक इनोवेशन में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक कदम है। मनोरंजन और प्रौद्योगिकी का मिश्रण सामग्री के निर्माण, वितरण और उपभोग के तरीके को बदल देता है। वेवएक्स 2025 भारतीय स्टार्टअप के लिए इस परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें अपने व्यवसायों को बढ़ाने के लिए सही एक्सपोज़र और निवेश मिले। वेवएक्स 2025 में निवेश पिचिंग सत्रों के दो तरीके होंगे। एक मोड में, स्टार्टअप वेंचर कैपिटलिस्ट और एंजेल निवेशकों के सामने पिच करेंगे, जबकि दूसरे में, चुनिंदा स्टार्टअप सेलिब्रिटी एंजेल निवेशकों के समूह के सामने अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय टेलीविजन पर व्यापक रूप से कवर किया जाएगा, जिससे भाग लेने वाले स्टार्टअप के लिए व्यापक पहुंच और निवेश के अवसरों को अधिकतम करना सुनिश्चित होगा। यह एक्सपोज़र न केवल प्रत्यक्ष फंडिंग को सुरक्षित करने में मदद करेगा बल्कि व्यापक व्यापार और सहयोग के अवसर भी पैदा करेगा।

WAVEX 2025 के लिए आवेदन अब खुले हैं, और यह कार्यक्रम एक बहु-चरणीय चयन प्रक्रिया का पालन करेगा, जिसका समापन एक उच्च-दांव वाले टेलीविज़न समापन समारोह में होगा, जहाँ सबसे होनहार स्टार्टअप सीधे शीर्ष सेलिब्रिटी एंजेल निवेशकों और वीसी से संपर्क करेंगे। चयनित स्टार्टअप उद्योग विशेषज्ञों, निवेशक नेटवर्किंग अवसरों और प्रमुख मीडिया और प्रौद्योगिकी फर्मों के साथ संभावित सहयोग की विशेषता वाले संरचित मेंटरशिप कार्यक्रमों से लाभान्वित हो सकते हैं। जैसा कि भारत डिजिटल सामग्री और प्रौद्योगिकी में एक वैश्विक नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना जारी रखता है, WAVEX 2025 स्टार्टअप के लिए उद्योग में खुद को स्थापित करने के लिए एक परिवर्तनकारी अवसर प्रस्तुत करता है। राष्ट्रीय प्रदर्शन, फंडिंग और शीर्ष-स्तरीय मेंटरशिप की तलाश करने वाले उद्यमी अभी https://wavex.wavesbazaar.com/ पर आवेदन कर सकते हैं।

भारत में वस्त्र क्षेत्र की क्रांति : एक उदीयमान उपभोक्ता पावरहाउस की गाथा

एक दशक पूर्व भारत की जनसंख्या लगभग 125 करोड़ थी। उपभोक्ताओं का खर्च मुख्य रूप से इच्छा के बजाय आवश्यकता से प्रेरित होता था। खरीदारी का पूर्वानुमान लगाना बहुत ही आसान था। त्योहारों के लिए नए कपड़े, सावधानीपूर्वक योजना आधारित खर्च और फिजूलखर्ची की बजाय बचत पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। लक्जरी ब्रांडों की दूर से प्रशंसा की जाती थी। उच्च श्रेणी का फैशन अभिजात वर्ग तक ही सीमित था। आज देश की जनसंख्या लगभग 142 करोड़ हो गई है। मध्यम वर्ग तेजी से बढ़त की ओर है। वही परिवार पूरे आत्मविश्वास से प्रीमियम स्टोर में कदम रखता है। वही परिवार आसानी से ऑनलाइन खरीदारी करता है। इतना ही नहीं, अपने जीवन में अनेक अवसरों को उत्सव के तौर पर देखता है। भारत अब न केवल आगे बढ़ रहा है, बल्कि यह समृद्ध भी हो रहा है।

बढ़ती क्रय शक्ति, विकसित हो रही उपभोक्ता मानसिकता और अंतिम-मील डिजिटल कनेक्टिविटी ये तीनों इस बदलाव के मुख्य वाहक हैं। आर्थिक सुधार अभूतपूर्व रहा है। इसे बढ़ती आय, सरकार समर्थित विनिर्माण पहल और डिजिटल रूप से सशक्त भारत के माध्यम से पंख लगे हैं। 2020 में 'आत्मनिर्भर भारत' योजना शुरू की गई। इस विजन ने आत्मनिर्भरता की नींव रखी। इसे प्रोडकशन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्कों द्वारा और सशक्त किया गया। जैसे-जैसे विनिर्माण में उछाल आया, रोजगार सृजन हुआ और इसके साथ ही डिस्पोजेबल आय में वृद्धि हुई। इसके परिणामस्वरूप भारतीयों के खर्च करने के तरीके बदल गए। उपभोग अब भारत के विकास की गाथा के केंद्र में है, जो कपड़ा क्षेत्र को स्वर्ण युग में ले जाने के लिए तैयार है।

एक सशक्त भारत - आत्मविश्वास से परिपूर्ण, साहसी और आकांक्षी

पिछले कई वर्षों में, आकांक्षाएं सचमुच वास्तविकता से आगे निकल गईं। लोगों ने कड़ी मेहनत की, बड़े सपने देखे, फिर भी अवसर पहुंच से बाहर लगे। फिर नीति-संचालित परिवर्तन के एक दशक ने महत्वाकांक्षा को उपलब्धि में बदल दिया। इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हुआ, डिजिटल इंडिया ने आकार लिया और आर्थिक सुधार मूर्त विकास का इंजन बन गए। इसके प्रभाव से भारत एक गुणवत्ता, शैली और सुविधा को अपनाने के लिए तैयार आत्मविश्वासी उपभोक्ताओं वाले देश के रूप में विकसित हो गया।

आय में उछाल आया है। प्रति व्यक्ति आय 2014-15 में 72,805 रुपए से बढ़कर 2023-24 में 1.88 लाख रुपए हो गई है और 2030 तक 3.5 लाख रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। आज छह करोड़ भारतीय सालाना 8.3 लाख रुपए से अधिक कमाते हैं - 2015 की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। यह बढ़ती समृद्धि फैशन, कपड़ा और जीवन शैली वाले उत्पादों की अभूतपूर्व मांग को बढ़ावा

जालंधर ब्रीज

गिरिराज सिंह
(केन्द्रीय वस्त्र मंत्री)

दे रही है। 2027 तक, भारत चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता टिकाऊ बाजार होगा, जो न केवल सामर्थ्य बल्कि आकांक्षाओं से प्रेरित होगा।

कोविड के बाद उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव एक गेम-चेंजर रहा है। डिजिटल पहुंच बढ़ी, ऑनलाइन रिटेल फला-फूला और यूपीआई लेनदेन आसमान छू गया। वित्त वर्ष 2013-14 में 220 करोड़ से इस डिजिटल परिवर्तन ने शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाट दिया है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि चाहे मेट्रो शहर में रहें या छोटे शहर में, भारतीयों के पास अब वैश्विक और स्थानीय फैशन तक निर्बाध पहुंच है।

भारत की फैशन क्रांति - परंपरा का महत्वाकांक्षा से मिलन

कभी पश्चिमी अवधारणा, फास्ट फैशन अब युवा भारतीयों के लिए जीवन का एक तरीका है। जो कभी अनन्य था, वह अब पहुंच के भीतर है। इसका श्रेय ज्यूडियो, रिलायंस ट्रेंड्स और शीन जैसे ब्रांडों को जाता है। ये ब्रांड 10 बिलियन डॉलर के उद्योग को बढ़ावा दे रहे हैं। यह कारोबार 2030 तक 50 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के लिए तैयार है। लेकिन यह बदलाव केवल सामर्थ्य के बारे में नहीं है - लक्जरी और विरासत वाले वस्त्र फास्ट फैशन के साथ-साथ फल-फूल रहे हैं। जैसे-जैसे आकांक्षी परिवार 2027 तक 100 मिलियन का आंकड़ा पार कर रहे हैं, हस्तनिर्मित कपड़े, रेशम की साड़ियां और उच्च श्रेणी के डिजाइनर परिधान फिर से उभर रहे हैं।

यह क्रांति कोई संयोग भर नहीं है। यह सरकार द्वारा संचालित पहलों का प्रत्यक्ष परिणाम है। बिचौलियों को खत्म करके कारीगरों के प्लेटफार्मों को डिजिटल बनाकर और सीधे ग्राहक-से-कारीगर कनेक्शन को सक्षम करके, डिजिटल इंडिया ने फैशन को खरीदने और बेचने के तरीके को बदल दिया है। महाराष्ट्र की पैठणी, कश्मीर की पश्मीना - अब एक बटन के क्लिक पर उपलब्ध है। फैशन का यह लोकतंत्रीकरण कारीगरों को सशक्त बना रहा है। इससे विरासत शिल्प को पुनर्जीवन मिल रहा है, और भारत की वस्त्र विरासत को वैश्विक मंच पर सबसे आगे आ रहा है।

विलासिता और विरासत - पहले की तुलना में अधिक सुलभ

भारतीय शादियां हमेशा भव्य रही हैं। किंतु, आज वे अरबों-खरबों डॉलर की आर्थिक शक्ति हैं। 45 बिलियन डॉलर का विवाह उद्योग पारंपरिक बुनाई क्लस्टरों में नई जान फूंक रहा है। इसमें परिवार बड़े पैमाने पर उत्पादन के बजाय कलात्मकता को चुन रहे हैं। विलासिता अब लेबल के बारे में नहीं है, यह विरासत के बारे में है। दुल्हन और दूल्हे विशिष्टता का विकल्प चुन रहे हैं। वे हाथ से बुने हुए बनारसी रेशम, जटिल कांजीवरम और भारत की समृद्ध वस्त्र विरासत का जश्न मनाने वाले डिजाइन का चयन कर रहे हैं।

लेकिन परिवर्तन केवल परिधान तक ही सीमित नहीं है। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसकी सुंदरता की चाहत भी बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2019-23 के बीच रियल एस्टेट की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और बड़े, अधिक परिष्कृत घरों के साथ हस्तनिर्मित साज-सज्जा, डिजाइनर असबाब और विरासत सजावट की मांग बढ़ गई है। आधुनिक घर अब भारतीय शिल्प कौशल का प्रदर्शन बन गए हैं। इसके परिणाम स्वरूप हाथ से बने वस्त्रों की मांग फैशन से परे इंटीरियर और लक्जरी लिविंग में बढ़ रही है।

भारत के वैश्विक फैशन नेतृत्व की शुरुआत : भारत का कपड़ा उद्योग अब केवल उत्पादन के बारे में नहीं है। यह नवाचार, डिजाइन और वैश्विक प्रभाव के बारे में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, 'मेक इन इंडिया' 'डिजाइन इन इंडिया' में विकसित हुआ है, जहां भारतीय रचनात्मकता अंतरराष्ट्रीय फैशन को आकार देती है। अनुसंधान और विकास पर सरकार का ध्यान और एक संपन्न स्टार्टअप इको-सिस्टम को बढ़ावा देने से बेजोड़ आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। तीन टी - टैक्सटाइल (वस्त्र), टूरिज्म (पर्यटन) और टैक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी) - पर काम करते हुए अपना देश अब एक विकसित भारत की नींव रख रहा है।

कमिश्नरेट पुलिस ने हेरोइन तस्करी रैकेट में शामिल तीन लोगों को किया गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

शहर में नशा तस्करी के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर के नेतृत्व में कमिश्नरेट पुलिस जालंधर ने हेरोइन तस्करी में शामिल तीन व्यक्तियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि आपराधिक तत्वों और नशा तस्करों पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए वाई-प्वाइंट भगत सिंह कॉलोनी, जालंधर में सीआईए स्टाफ को तैनात किया गया था। नियमित जांच और दस्तावेजों की जाँच के लिए पुलिस टीम ने तीन व्यक्तियों - रोहित अरोड़ा (पुत्र शंकर दास), राकेश उर्फ केशी (पुत्र शर्मा शर्मा) और संदीप उर्फ बाबा उर्फ लालू (पुत्र शिंदा सिंह), सभी अमृतसर निवासी को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की। उनकी तलाशी लेने पर पुलिस को 30 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। परिणामस्वरूप, एफआईआर नंबर 29 दिनांक 16.03.2025 एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21/61/85 के तहत पुलिस स्टेशन डिवीजन नंबर 1, जालंधर में दर्ज किया गया।

उन्होंने आगे कहा कि आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ कई मामले लंबित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हेरोइन के स्रोत और उसके वितरण नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है। उन्होंने दोहराया कि जालंधर पुलिस समाज से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए अपने प्रयास तेज कर रही है। धनप्रीत कौर ने कहा कि "हम समाज को इस बुराई से मुक्त करने के अपने मिशन में कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

डिप्टी स्पीकर ने जनकल्याण योजनाओं को पूरी तरह लागू करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधान सभा के डिप्टी स्पीकर, सरदार जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने अनुमान कमेटी के अध्यक्ष के रूप में पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिवों के साथ जनकल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान, डिप्टी स्पीकर ने सभी विभागाध्यक्षों और प्रशासनिक अधिकारियों को इन योजनाओं को सभी क्षेत्रों में पूर्ण रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने जन-जागरूकता अभियानों की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग को इन लोकहितकारी पहलों का समय पर लाभ मिल सके। डिप्टी स्पीकर रौड़ी ने स्पष्ट रूप से कहा कि इन कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि का उपयोग केवल जनहित में किया जाना चाहिए।

राजस्व पदाधिकारी पर सख्त कार्रवाई

अनियमितताओं के कारण कानूनगो निलंबित, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता दोहराई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने हाल ही में पटवारी से कानूनगो पद पर पदोन्नत हुए वरिंदर कुमार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। डिप्टी कमिश्नर ने कानूनगो वरिंदर कुमार को सस्पेंड करने के बाद उससे शाहकोट के सब-रजिस्ट्रार का चार्ज भी वापस ले लिया है। अनियमितता की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गयी है।

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने बताया कि निलंबन अवधि के दौरानत हसील शाहकोट वरिंदर कुमार का मुख्यालय होगा। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच शुरू कर दी गयी है। जिला प्रशासन की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए डा. अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों की ऐसी गैरजिम्मेदाराना हरकतें बर्दाश्त करने लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि जालंधर प्रशासन जिले के निवासियों को निष्पक्ष और पारदर्शी प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. अग्रवाल ने जिलावासियों से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए सक्रिय सहयोग देने की अपील की।उन्होंने कहा कि भ्रष्ट गतिविधियों की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन को दी जाए। डिप्टी कमिश्नर ने विश्वास दिया कि अनियमितता के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि यह निलंबन जहां भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक चेतावनी के रूप में काम करेगा, वहीं लोगों के कल्याण के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगा।

फाजिल्का में दो व्यक्तियों की संपत्ति पर चला बुलडोजर

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/मंडी अरनीवाला (फाजिल्का)

पंजाब सरकार द्वारा नशों के खिलाफ छेड़ी गई निर्णायक लड़ाई के तहत जिले में गुरुवार को दो नशा तस्करों की संपत्ति पर बुलडोजर चला दिया गया। जब लोगों को मौत बांटने वालों के घर मिट्टी में मिल रहे थे, तो इलाके के लोग सरकार की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए नजर आए। इस मौके पर कार्रवाई की अगुवाई कर रहे एसएसपी स वरिंदर सिंह बराड़ ने बताया कि मंडी अरनीवाला में सिविल प्रशासन की टीम के साथ यह कार्रवाई की गई। यहां रानी और बग्गा नामक दो व्यक्ति नशे का कारोबार कर रहे थे और इनके खिलाफ मामले भी दर्ज थे। इनके द्वारा बनाई गई अवैध इमारतों को आज यहां ध्वस्त कर दिया गया है। रानी के खिलाफ नशा तस्करी के तीन मामले दर्ज थे।

एसएसपी वरिंदर सिंह बराड़ ने बताया कि ' युद्ध नशों विरुद्ध' अब एक जन आंदोलन बनता जा रहा है और लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 1 मार्च 2025 से शुरू हुए ' युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के तहत अब तक 19 दिनों में नशा तस्करी से संबंधित 76 मामले जिले के विभिन्न थानों में दर्ज किए गए हैं और 111 दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों से 2.383 किलोग्राम हेरोइन, 5,75,585 प्रेगा कैप्सूल, 23,279 नशीली गोलियां, 7.500 किलोग्राम पोस्त और 52,000 रुपये ड्रग मनी बरामद की गई है। इसके अलावा, आज आरोपियों के मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई से पहले भी जिले में एक अन्य तस्कर के मकान को गिराया गया था।

बटाला पुलिस ने नशा तस्कर की कोठी ध्वस्त की

चंडीगढ़/बटाला (जालंधर ब्रीज). 'युद्ध नशों विरुद्ध' के तहत नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आज बटाला पुलिस ने नशा तस्कर जीवन कुमार पुत्र गुलशन कुमार, निवासी गांधी नगर कैंप, बटाला की कोठी को जे.सी.बी. मशीनों से ध्वस्त कर दिया। मुख्यमंत्री पंजाब के निर्देशानुसार, जो भी व्यक्ति किसी भी गैर-कानूनी गतिविधि में शामिल है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक नशा कारोबार करने वाले लोग मुख्यधारा में नहीं आ जाते या फिर पंजाब छोड़कर बाहर नहीं चले जाते। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए बटाला के एस.एस.पी. सुहैल कासिम मीर ने बताया कि इस नशा तस्कर के खिलाफ विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि जीवन कुमार के खिलाफ एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत तीन मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ दर्ज धाराओं और केस हिस्ट्री से स्पष्ट है कि यह लंबे समय से नशा तस्करी के धंधे में संलिप्त था।

'युद्ध नशेयां विरूद्ध' : अब तक 114 किलो हेरोइन, 62 किलो अफीम और 68 लाख नगद बरामद

एनडीपीएस के तहत 1895 एफआईआर दर्ज और 3217 ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के नेता और कैबिनेट मंत्री तरूणप्रीत सिंह सोंध ने पंजाब सरकार के नशा के खिलाफ अभियान 'युद्ध नशयां विरूद्ध' की सफलता को बताया और 19 मार्च तक हुई पुलिस कार्रवाई की जानकारी मीडिया के साथ साझा की। वीरवार को मंत्री तरूणप्रीत सोंध ने इस मुहिम से संबंधित चंडीगढ़ पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। मंत्री ने बताया कि 'युद्ध नशयां विरूद्ध' अभियान के नतीजे बेहद उत्साहजनक है और पूरे पंजाब में इसके अच्छे नतीजे देखने को मिल रहे हैं। लोग भी इस मुहिम के लिए पंजाब सरकार की तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस द्वारा यह अभियान बेहद सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। अब तक 114 किलो हेरोइन, 62 किलो से ज्यादा अफीम और 68 लाख रुपए से ज्यादा नगद बरामद किए गए हैं। वहीं नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांसेज एक्ट (एनडीपीएस) के तहत 1895 एफआईआर दर्ज हुए हैं और 3217 ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

इसके अलावा करीब 7.5 लाख के आसपास नशीली दवाओं की गोलियां और 1213 किलो भुक्की, 28 किलो गांजा 4.5 किलो चरस और 1.25 किलो आइस, करीब 500 नकली शराब की बोतलें, 7 किलो नशीली पाउडर और 301 इंजेक्शन भी पुलिस ने बरामद किए हैं। वहीं नशा तस्करी से जुड़े 38 लोगों के इमारतों को ध्वस्त किया गया है। वहीं नशा तस्करी से जुड़ी 22 मोटरसाइकिल, 8 मोबाईल, 4 कार और 12 पिस्तौल जब्त किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान 4 किलो से ज्यादा सोना, जिसमें एक हार और दो चेन शामिल है एवं 1.25 किलो चांदी भी बरामद किया गया। इसके अलावा 5689 ट्रैफिक चालन किए गए हैं।

मंत्री सोंध ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आप सरकार पंजाब से नशा खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पंजाब पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कारवाई कर रही है, जिसके नतीजे आपके सामने है। उन्होंने कहा कि इस बार नशे से जुड़े किसी भी लोगों बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने नशा तस्करों को चेतावनी दी कि या तो नशा की तस्करी छोड़ दो या पंजाब छोड़ दो, नहीं तो जेल जाने के लिए तैयार रहो।

भाजपा के इशारे पर सीएम मान ने किसानों पर करवाई की : बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शंभू और खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी किसानों पर पंजाब पुलिस की कार्रवाई के बीच पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की मिलीभगत का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'पहले एक फर्जी कहानी गढ़ी गई कि किसानों ने राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे पंजाब के उद्योग को नुकसान हो रहा है। वास्तव में, यह भाजपा के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार थी जिसने किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने के लिए राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। अब भाजपा के इशारे पर आम आदमी पार्टी ने किसानों पर कार्रवाई शुरू की, जो बेहद अलोकतांत्रिक है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि दो प्रमुख किसान यूनियन नेताओं, जगजीत सिंह दल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर की कायराना ढंग से हिरासत में लिए गया। पंजाब के इतिहास में बैठक के बहाने किसान यूनियन के नेताओं को कभी गिरफ्तार नहीं किया गया। सीएम मान ने पंजाब के पूरे किसान समुदाय की पीठ में छुरा घोंपा है। इससे पहले उन्होंने एक बैठक में किसान यूनियन नेताओं के सामने अपने अशिष्ट व्यवहार का प्रदर्शन किया। हरियाणा पुलिस की बर्बरता के कारण सैकड़ों किसान गंभीर रूप से घायल हो गए। हमारे युवा किसानों में से एक, शुभकरण सिंह को हरियाणा पुलिस ने गोली मार दी थी, हालांकि, गृह मंत्री भगवंत के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मैंने बार-बार इस मुद्दे को उठाया है और अब मैं अपनी बात कहने से कतराता नहीं हूं क्योंकि आम आदमी पार्टी और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

मान ने किसानों के साथ विश्वासघात किया : सरबजीत सिंह झिंजर

कहा- लुधियाना उपचुनाव में संभावित हार के डर से, आम आदमी पार्टी जानबूझकर किसानों और व्यापारी समुदाय के बीच दुश्मनी का माहौल बना रही

• **जालंधर ब्रीज.** पटियाला

युवा अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंजर ने आज मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनकी आम आदमी पार्टी सरकार पर किसानों के साथ विश्वासघात करने का गंभीर आरोप लगाया। मुख्यमंत्री और उनकी सरकार पर निशाना साधते हुए झिंजर ने कहा, "आम आदमी पार्टी ने साफ तौर पर हमारे किसानों के साथ धोखा किया है। पहले उन्होंने हमारे किसान नेताओं को चंडीगढ़ में बैठक के लिए बुलाया और जैसे ही बैठक खत्म हुई, तुरंत उन्हें गिरफ्तार कर लिया। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद, उन्होंने जबरदस्ती शंभू और खनौरी मोर्चों को हटा दिया और यहां तक कि शांति से बैठे किसानों पर हिंसा तक की।"

झिंजर ने आगे कहा, "यह सब अरविंद केजरीवाल के आदेश पर योजनाबद्ध तरीके से किया गया, जो पिछले कुछ दिनों से पंजाब में मौजूद थे क्योंकि उन्हें लुधियाना में होने वाले उपचुनाव में हार का डर सता रहा था। आम आदमी पार्टी जानबूझकर किसानों और व्यापारी समुदाय के बीच तनाव पैदा कर रही है ताकि वोट बैंक की राजनीति की जा सके। लेकिन यह चाल पंजाब में कभी कामयाब नहीं होगी, क्योंकि चाहे वे कितनी भी कोशिश कर लें, हमारी एकता और भाईचारा नहीं टूट सकता।"

सरबजीत झिंजर ने आप विधायक गुरलाल घनौर पर भी निशाना साधते हुए कहा, "यह बहुत ही शर्मनाक है कि विधायक गुरलाल घनौर ने उन्हीं किसानों के साथ गद्दारी की, जिन्होंने उन्हें विधायक बनाया। हम उन्हें एक कबड्डी खिलाड़ी के रूप में सम्मान देते थे, लेकिन कल उन्होंने अपने ट्रैक्टर और लोगों को खनौरी बॉर्डर पर भेजा ताकि किसान मोर्चा को खत्म किया जा सके। उनके ट्रैक्टरों का इस्तेमाल पुलिस ने किसानों के टेंट उखाड़ने और उनकी ट्रॉलियों को हटाने के लिए किया।"

झिंजर ने भगवंत मान को याद दिलाते हुए कहा, "मिस्टर मान, भूल मत जाइए कि आप ही वह व्यक्ति थे, जो पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से सवाल करते थे कि 'किसानों को मूर्ख बनाना बंद करो और उन्हें एमएसपी की गारंटी दो।' आपने चुनाव प्रचार के दौरान 22 फसलों पर एमएसपी देने का वादा किया था। अब वह गारंटी कहां गई? एमएसपी देने की बजाय, आपने किसानों को केवल अपमान, लाठियां और जेलें दी हैं। आपको शर्म आनी चाहिए!" उन्होंने आगे कहा, "आप मुख्यमंत्री बनने से पहले किसानों और खेती की बातें करते थे, लेकिन शपथ लेने के बाद आप पूरी तरह बदल गए। अब तो ऐसा लगता है जैसे आप हर दिन बीजेपी की भाषा बोल रहे हैं और आपके आदेश सीधे नागपुर से भी आ रहे हैं।"

गेट 2025 में एनआईटी जलंधर का शानदार प्रदर्शन

अभय सिंह ने देश में एआईआर 1 हासिल किया 70 से अधिक छात्रों ने शीर्ष रैंक प्राप्त की

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डॉ. बी. आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जलंधर के छात्रों ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (जी ए टी ई) 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस सफलता का नेतृत्व सिविल इंजीनियरिंग के छात्र अभय सिंह ने किया, जिन्होंने अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) 1 प्राप्त की। यह उनकी पिछली एआईआर 1659 (2024) से एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले से आने वाले अभय ने एनआईटी जलंधर से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक पूरा किया है। उन्होंने गेट, भारतीय इंजीनियरिंग सेवा (आईएस), और सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी अपने विभाग के प्रोफेसरों के मार्गदर्शन में की। अपनी सफलता का श्रेय वे मजबूत बुनियादी अवधारणाओं, परिवार के अटूट समर्थन और विशेष रूप से प्रो. एस.पी. सिंह के मार्गदर्शन को देते हैं, जिनकी देखरेख में उन्होंने अपना अंतिम वर्ष का बी.टेक प्रोजेक्ट पूरा किया।

अभय की उपलब्धि के अलावा एनआईटी जालंधर के सभी इंजीनियरिंग विभागों के 70 से अधिक छात्रों ने गेट 2025 में सफलता हासिल की है। इनमें से 9 छात्रों ने टॉप 50 में, 12 से अधिक छात्रों ने टॉप 100 में, और 25 छात्रों ने टॉप 500 में स्थान प्राप्त किया है। यह संस्थान की प्रतियोगी परीक्षा तैयारी और शैक्षणिक उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. बी. आर. अंबेडकर NIT जलंधर के निदेशक प्रो. बी. के. कनौजिया ने अभय सहित सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने फैकल्टी सदस्यों के समर्पित प्रयासों को भी सराहा और संस्थान की इंजीनियरिंग और सार्वजनिक सेवा के भविष्य के नेताओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ, डॉ. बी. आर. अंबेडकर एनआईटी जालंधर ने 2023-2024 में 87% प्लेसमेंट दर हासिल की। 220 से अधिक कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया। उत्कृष्ट शिक्षा और प्लेसमेंट रिकॉर्ड के साथ एनआईटी जलंधर इंजीनियरिंग शिक्षा और करियर विकास में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

मोहिंदर भगत ने जिला स्तरीय दाखिला अभियान की शुरुआत की

जालंधर (जालंधर ब्रीज). सरकारी स्कूलों में दाखिले को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने सरकारी प्राइमरी स्कूल कोट सादिक से जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और जिला स्तरीय दाखिला अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर जालंधर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की चेयरपर्सन राजविंदर कौर थियाडा, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) अपर्णा एम.बी. भी मौजूद थे। भगत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को प्रोजेक्टर, वाई-फाई, स्मार्ट क्लासरूम, लैब जैसी सुविधाओं से लैस करने के साथ ही छात्रों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए जहां शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा गया, वहीं सरकारी स्कूलों में छात्रों को डिजिटल तकनीक से पढ़ाई करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। भगत ने कहा कि सभ्य समाज के निर्माण में शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

टीम इंडिया पर हुई पैसों की बरसात

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर बीसीसीआई द्वारा 58 करोड़ के नकद पुरस्कार का ऐलान

फोटो-बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क. चैंपियंस ट्रॉफी जीतने पर बीसीसीआई ने टीम इंडिया पर पैसों की बरसात कर दी है। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के लिए 58 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार का ऐलान किया है। ये पुरस्कार खिलाड़ियों, कोचिंग और सहयोगी स्टाफ और अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को मिलेगा। हालांकि, बोर्ड ने अपने बयान में ये नहीं बताया कि किसे कितना पुरस्कार मिलेगा।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने एक बयान में कहा कि लगातार दो आईसीसी खिताब जीतना खास है। ये पुरस्कार विश्व स्तर पर टीम इंडिया की प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता के लिए है। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। टीम ने फाइनल तक पहुंचने के लिए लगातार चार मैचों में जीत दर्ज की थी। रोजर बिन्नी ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी की जीत भारत के मजबूत क्रिकेट इको सिस्टम की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि ये 2025 में हमारा दूसरा आईसीसी खिताब है। आईसीसी अंडर 19 महिला टीम ने भी विश्व कप जीता। इससे साबित होता है कि देश में क्रिकेट का इको सिस्टम कितना मजबूत है। भारतीय टीम ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप भी जीता था। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा कि इस जीत से साबित होता है कि भारत समिति गेंद के प्रारूपों में टॉप रैंकिंग का हकदार है। सैकिया ने कहा कि वर्ल्ड क्रिकेट में भारत सीमित गेंद के प्रारूपों में टॉप रैंकिंग का हकदार है। सैकिया ने कहा कि वर्ल्ड क्रिकेट में भारत का दबदबा कड़ी मेहनत और कुशल रणनीति का नतीजा है।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने आईसीसी टूर्नामेंट में दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने फिर साबित कर दिया कि भारतीय क्रिकेट कौशल, मानसिक दृढता और जीत की मानसिकता की मजबूत नींव पर खड़ा है।

30 को होगा पूर्व सैनिक रैली का आयोजन : एडीसी निकास कुमार

होशियारपुर (जालंधर ब्रीज). अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर निकास कुमार ने बताया कि 30 मार्च को होशियारपुर जिले के पूर्व सैनिकों (ईएसएम), वीर नारियों और सैनिकों की विधवाओं के लिए मुख्यालय 91 सब एरिया और मुख्यालय 11 कोर, जालंधर के तत्वावधान में लाजवंती मल्टीपर्पस आउटडोर स्टेडियम में एक पूर्व सैनिक रैली का आयोजन किया जाएगा। वे आज रैली के सुचारु प्रबंधों संबंधी जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रैली को सफलतापूर्वक करवाने के लिए तैयारियां अभी से शुरु कर दी जाएं। उन्होंने बताया कि इस रैली का उद्देश्य शिकायतों का त्वरित समाधान करना और पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा सैनिकों की विधवाओं का सम्मान करना है। अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि रैली का संकल्प "वीरों का सम्मान, देश का अभिमान" है, जो इसके मूल मंत्र "मिलाप, स्वास्थ्य, सम्मान और समाधान" के अनुरूप है। इस मौके पर लेफ्टीनेंट कर्नल एसपी कुलकर्णी, एस.डी.एम टांडा पंकज कुमार, एस.डी.एम होशियारपुर संजीव कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों , डी.एस.पी स्थानीय मनप्रीत शींहमार, आर.टी.ओ रविंदर सिंह गिल व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.